चिट्ठियों की यादों से डिजिटल युग तक की सेवाओं का सफर

महाकाल की नगरी में डाक नायकों का सम्मान, कार्तिक मेला मंच तैयार, केंद्रीय मंत्री सिंधिया और मुख्यमंत्री भी रहेंगे मौजूद

(प्रमोद व्यास)

उज्जैन। मोबाइल और इंटरनेट के इस दौर में भले ही चिट्ठियों का इंतजार अब बीती याद बन चुका हो, बावजूद देश की संचार व्यवस्था की नींव रखने वाले डाक कर्मियों का योगदान आज भी उतना ही जीवंत है। कभी लाल डब्बों में डाली गई चिट्ठियों से भावनाएं पहुंचती थीं, तो तार के माध्यम से कुछ घंटों में जरूरी सूचनाएं घर-घर पहुंचती थीं। समय बदला, साधन बदले, पर सेवा और समर्पण की भावना नहीं बदली। इसी समर्पण को सम्मान देने के लिए 24 फरवरी मंगलवार को उज्जैन में एक भव्य आयोजन होने जा रहा है।

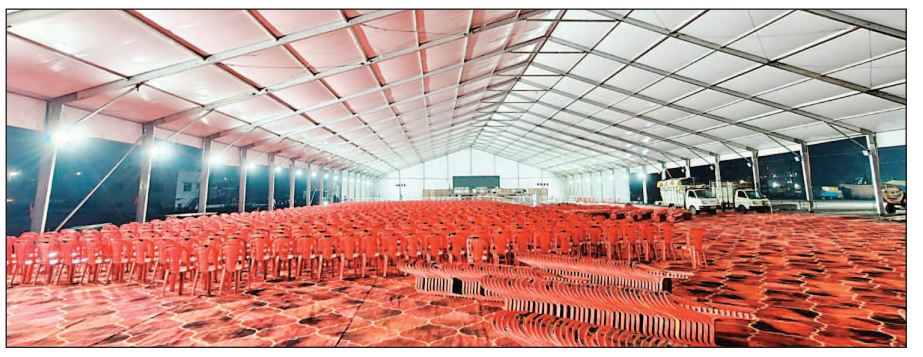

महाकाल की नगरी उज्जैन के कार्तिक मेला मैदान पर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पहली बार इतने बड़े स्तर पर डाक विभाग का आयोजन यहां होने जा रहा है, जिसे विभागीय महाकुंभ का रूप दिया गया है। कार्यक्रम में 7000 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल होंगे। प्रदेश भर से डाककर्मी उज्जैन पहुंचेंगे और अपने साथ वर्षों की सेवा, संघर्ष और उपलब्धियों की गाथाएं लेकर आएंगे। इस गरिमामय अवसर पर केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति कार्यक्रम को विशेष बनाएगी। दोनों अतिथियों के आगमन को लेकर विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। शाम 5 बजे से कार्यक्रम प्रारंभ होने की संभावना है।

डाक विभाग के इतिहास में वर्षों बाद इस प्रकार का आयोजन होने जा रहा है जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से लगाकर केंद्रीय संचार मंत्री भी एक ही मंच पर उपस्थित रहेंगे और डाक विभाग की उन विभूतियों का सम्मान करेंगे। जिन्होंने अपना पूरा जीवन विभाग को समर्पित कर दिया है, जब जब चिट्ठियों का दौर चलता था और सूचनाओं का आदान-प्रदान करने का कोई जरिया नहीं था, तब डाक विभाग ने अपनी अहम जिम्मेदारी निभाई, कड़ी धूप हो या भरी बरसात या हो कड़ाके की सर्दी, हर मौसम में हर वक्त कभी भी कहीं भी चिट्ठियां पहुंचाने का जो माद्दा डाक विभाग ने निभाया, उन सेवाओं को रेखांकित करने यह बड़ा अवसर आया है। यही कारण है कि मध्य प्रदेश भर के अफसरो ने डाक विभाग के इस कार्यक्रम में ताकत झोंक दी है।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा सम्मान

कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश डाक परिमंडल के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों और ग्रामीण डाक सेवकों को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन डाक नायकों को समर्पित होगा, जिन्होंने गांव-गांव तक सेवा पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिजिटल क्रांति के दौर में भी डाक विभाग ने खुद को आधुनिक बनाया है और नई सेवाओं के माध्यम से आमजन तक सुविधाएं पहुंचाई हैं। भारतीय डाक व्यवस्था केवल पत्र वितरण का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह लोगों की भावनाओं, सूचनाओं और विश्वास की डोर रही है। आज भले ही संदेश सेकंडों में पहुंच जाते हों, लेकिन कठिन परिस्थितियों में भी डाक कर्मियों ने अपने दायित्व को निभाया है। यही समर्पण अब सम्मान के रूप में सामने आएगा। महाकाल की नगरी में होने जा रहा यह आयोजन न केवल डाक विभाग के लिए गौरव का क्षण होगा, बल्कि उन हजारों कर्मयोगियों के लिए भी प्रेरणा बनेगा, जिन्होंने वर्षों तक चुपचाप सेवा कर देश की संचार व्यवस्था को मजबूत बनाया।

वार्ड 42 में नाली एवं सीसी रोड का भूमिपूजन

उज्जैन। वार्ड क्रमांक 42 की पार्षद अंजलि पटेल के प्रयासों से राशि रुपए 18 लाख की लागत से क्षेत्र के नागरिकों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जल निकासी हेतु नाली निर्माण एवं सीसी रोड कार्य का भूमि पूजन निगम अध्यक्ष कलावती यादव, संजय अग्रवाल द्वारा संपन्न हुआ। भूमि पूजन के अवसर पर निगम अध्यक्ष ने नागरिकों को विकास कार्य की शुभकामना देते हुए कहा कि विकसित एवं आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के लिए मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उज्जैन में विकास का क्रम जारी है। इस अवसर पर कमलेश बैरवा, मुकेश पोरवाल, कुलदीप पांचाल, महेश खंडेलवाल, प्रियंका सेंगर एवं क्षेत्र के नागरिक मौजूद रहे। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 49 में निगम अध्यक्ष कलावती यादव एवं संजय अग्रवाल, महामंडलेश्वर शैलेषानंद महाराज, पार्षद आभा कुशवाह द्वारा राशि रुपए 21 लाख से उद्यानों के सौंदर्यीकरण कार्य का भूमि पूजन किया गया। 21 लाख की लागत से क्षेत्र के उद्यानों के सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस अवसर पर कमलेश बैरवा, आनंद सिंह खींची, परेश कुलकर्णी, एसपी श्रीवास्तव एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर में

शताब्दी वर्ष पर हुए आयोजन पर चर्चा

उज्जैन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नीमनवासा में आयोजित भव्य हिन्दू सम्मेलन और हाल ही में संपन्न हुई श्रीमद् भागवत कथा को लेकर रविवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। मक्सी रोड पावासा स्थित एक गार्डन में आयोजित इस बैठक में आयोजनों की सफलता पर चर्चा की गई और कथा व्यास को भावभीनी विदाई दी गई। आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए आनंद खींची ने बताया कि समस्त सनातनियों को एकजुट करने के मुख्य उद्देश्य से 25 जनवरी को पूरे भारतवर्ष में एक साथ हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया गया था। इसी श्रृंखला में नीमनवासा में भी यह भव्य आयोजन हुआ था, जिसकी रूपरेखा और समाज पर इसके सकारात्मक प्रभाव को लेकर इस समीक्षा बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही, संजय पंवार द्वारा 11 से 17 फरवरी तक नीमनवासा स्थित बालाजी टाइल्स कंपाउंड में आयोजित की गई सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर आयोजक परिवार और उपस्थित समाजजनों द्वारा कथा व्यास पंडित अजय शंकर तिवारी जी का भव्य स्वागत व सम्मान किया गया और उन्हें भावपूर्ण विदाई दी गई। इस समीक्षा बैठक और सम्मान समारोह में मुख्य रूप से अनुराग जैन, आनंद सिंह खींची, उमेश सिंह सेंगर, ओमप्रकाश पंवार, संजय पंवार, प्रदीप झा, विजय गोस्वामी, संतोष सिंह राणा, बंटी कलोडिया, नरेंद्र लोहार, तूफान मालवीय, कमल लोहार, प्रेम राठौर, कुबेर मालवीय, करण पवार, दशरथ सिंह, भगवान गुरु, हेमंत गुरु, हेमंत देव शर्मा और रमेश गुर्जर सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय रहवासी और धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे।

महावीर जयंती महोत्सव की तैयारियां शुरू

उज्जैन। आगामी 31 मार्च को मनाए जाने वाले 1008 भगवान महावीर जयंती महोत्सव को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है और इसकी तैयारियां जोरों पर शुरू हो गई हैं। इसी सिलसिले में परंपरा के अनुरूप ट्रस्ट कमेटी के तत्वावधान में शीतल पांडे की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुभारंभ विधिवत मंगलाचरण के साथ हुआ। बैठक के दौरान पूर्व संयोजक नितिन दोषी ने गत वर्ष के आय-व्यय का हिसाब सदन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे सभी की सहमति से सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इसके पश्चात, वर्ष 2026 के आगामी महोत्सव के लिए नए संयोजक के मनोनयन की प्रक्रिया संपन्न की गई। ट्रस्ट के सचिव अनिल गंगवाल ने नितिन दोषी का नाम इस दायित्व के लिए प्रस्तावित किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में इस प्रस्ताव का समर्थन किया और नितिन जी को सर्वसम्मति से वर्ष 2026 के लिए संयोजक मनोनीत किया गया। मनोनयन के पश्चात समाजजनों ने नवीन संयोजक का आत्मीय सम्मान किया। सभा में भगवान महावीर जयंती को इस वर्ष और अधिक भव्यता तथा उत्साह के साथ मनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी रूपरेखा तैयार करने के लिए समाज के सभी ट्रस्ट मंडलों, युवा संगठनों और महिला मंडलों के अध्यक्षों व सचिवों की जल्द ही एक वृहद बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, वात्सल्य भोज समिति के सभी आर्थिक सहयोगियों की भी एक विशेष बैठक बुलाने का निर्णय लिया गया। इस संपूर्ण सभा का सफल और सुचारू संचालन ट्रस्ट के सचिव अनिल गंगवाल ने किया।

धूमधाम से मनेगी भगवान मीनेश जयंती

उज्जैन। आगामी मीनेश जयंती को शहर में अभूतपूर्व उत्साह और भव्यता के साथ मनाने के लिए समाजजनों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश मीणा समाज सेवा संगठन, जिला उज्जैन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में न केवल जयंती के भव्य आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई, बल्कि संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से जिला उज्जैन की नई कार्यकारिणी का विधिवत गठन भी किया गया। बैठक का भव्य शुभारंभ भगवान मीनेश के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और विशेष पूजा-अर्चना के साथ किया गया। तत्पश्चात, संगठन के जिलाध्यक्ष योगेश मीणा, युवा जिलाध्यक्ष आशुतोष मीणा और प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण मीणा द्वारा भगवान मीनेश की महाआरती संपन्न की गई। जिसमें उपस्थित सभी समाज बंधुओं ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। आरती के पश्चात आयोजित सभा में आगामी मीनेश जयंती को उज्जैन में अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सतीश चांदा, दिनेश मीणा, राकेश और मोहित मीणा मौजूद रहे। जानकारी सतीश मीणा चांदा द्वारा प्रदान की गई।

फिर बदल सकता है मौसम का मिजाज, सक्रिय हुआ पश्चिमी विक्षोभ

उज्जैन। पिछले दिनों की तरह एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने के संकेत मौसम वैज्ञानिकों द्वारा दिए जा रहे हैं। रविवार को पश्चिमी विक्षोभ के दो सिस्टम एक्टिवेट हुए हैं। जिसके चलते आज शाम से फिर मौसम में बदलाव आ सकता है। लगातार बदल रहे मौसम की सबसे अधिक मार किसानों पर पड़ रही है।

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से फरवरी माह में पाल-पाल मौसम बदलते दिखाई दे रहा है। शुक्रवार तक शहर में बारिश और ग्रामीण क्षेत्रों में ओलावृष्टि सिलसिला बना हुआ था। शनिवार को आसमान साफ होते ही तापमान में 7.5 डिग्री की तेजी दर्ज की गई थी। रविवार को भी तापमान 31 डिग्री पर दर्ज हुआ। इस बीच मौसम विशेषज्ञों ने फिर से पश्चिमी विक्षोभ की दो प्रणालियों के सक्रिय होने की जानकारी देते हुए फिर से मौसम में बदलाव आने का अलर्ट जारी कर दिया। रविवार को पश्चिमी विक्षोभ की दो प्रणालियों के एक्टिवेट होने के बाद सोमवार शाम से फिर बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। मौसम का मिजाज फरवरी माह के अंतिम दौर में भी अस्थिर बना हुआ है। फरवरी माह में चौथे दौर की बारिश शुरू होने की संभावना है। जिससे एक बार फिर तापमान में कमी आएगी। इस बार लगातार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने पर किसान सबसे बड़ी मुसीबत में दिखाई दे रहा है। माह के प्रथम सप्ताह में हुई बारिश और ओलावृष्टि से खेतों में गेहूं और चने की फसल को नुकसान पहुंचा था। किसान के माथे पर चिंता की लकीरें पड़ गई थी जो दूसरे सप्ताह में और गहरी हो गई। कुछ दिन बाद ही तीसरा दौर बारिश और ओलावृष्टि का सामने आया और किसानो की कमर टूट गई। अब फिर से मौसम विभाग ने बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी कर दिया है। इस बार किसानों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।

प्रेमी-प्रेमिका ने उज्जैन और रायसेन में एक साथ लगाई थी फांसी

मोबाइल डिटेल से हुआ खुलासा, रात में दोनों के बीच हुई थी बात

उज्जैन। कैसरबाग कॉलोनी किराए के मकान में शनिवार सुबह रायसेन के युवक का शव फंदे पर लटका मिला था। उसके हाथ की नस और गला कटा हुआ था। जिस समय पुलिस उसका फंदे से उतर रही थी। उसी दौरान रायसेन में भी उसकी प्रेमिका की लाश फंदे से उतर गई थी। पूरे मामले का खुलासा उनके मोबाइल की कॉल डिटेल से सामने आया है। दोनों ने अपनी प्रेम कहानी का एक साथ अंत किया था।

पंवासा थाना पुलिस ने शनिवार सुबह किराए के मकान में रहने वाले ऋषभ मीणा की लाश मकान की सीढ़ियों पर रस्सी के फंदे से लटकी हुई बरामद की थी। ऋषभ के हाथ और गला कटा हुआ था। जांच में सामने

आया कि ऋषभ रायसेन का रहने वाला है और सड़क निर्माण कार्य में दो माह पहले ही इंजीनियर का काम करने के लिए उज्जैन आया था। उसके साथ रहने वाले दो साथियों ने बताया कि ऋषभ किसी युवती से मोबाइल पर बात करता था। पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के बाद मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली। इसी बीच रायसेन के ग्राम चिल्ली सिकारी में भी साक्षी धाकड़ के शनिवार सुबह फांसी लगाने की जानकारी सामने आई। दोनों की मोबाइल कॉल डिटेल से उनके बीच बातचीत होने की जानकारी सामने आई। दोनों ने काफी देर तक रात में बातचीत करने के बाद एक साथ सुबह-सुबह फांसी लगाई थी। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग होना सामने आया। दोनों ने एक दूसरे से 350 किलोमीटर दूर रहकर अपनी प्रेम कहानी का अंत किया था। घटनाक्रम के समय साक्षी अपने नाना के घर पर थी। दोनों के मोबाइल में व्हाट्सएप चैट भी मिली है।

ऋषभ ने खुद को करंट भी लगाया था

उज्जैन पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ऋषभ सड़क निर्माण में सप्लाई इंजीनियर का काम कर रहा था। उसने प्रेमिका के साथ आत्महत्या करने से पहले खुद के हाथ की नस काटी थी और गला भी काटने का प्रयास किया था। उसने खुद को करंट भी लगाया था। जिसके चलते घर में शॉर्ट सर्किट हुआ था। उधर प्रेमिका फांसी लगा चुकी थी। जिसके चलते उसने भी मौत का फंदा गले में डाल लिया। आत्महत्या से पहले उसने अपना मोबाइल फ्लाइट मोड पर डाला था। पंवासा थाना प्रभारी गेमर मंडलोई के अनुसार परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे उसके बाद ही स्पष्ट होगा कि दोनों ने इतना खौफनाक कम क्यों उठाया है।

बुजुर्ग से मारपीट करने वाला पकड़ाया

उज्जैन। महाकाल मंदिर के पास यादव धर्मशाला के सामने शुक्रवार रात 70 साल के बुजुर्ग दुर्गाशंकर पिता रामचंद्र वर्मा निवासी अंबर कालोनी को रोक बदमाश ने शराब पीने के रूपये मांगे, नहीं देने पर बुजुर्ग के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। महाकाल थाना पुलिस ने बुजुर्ग की शिकायत पर बदमाश के खिलाफ धारा 119 (1), 115 (2), 296 (बी), 351 (3) का प्रकरण दर्ज किया। एएसआई श्रवण कुमार चौहान ने बताया कि बदमाश की पहचान कर उसकी तलाश शुरू की गई। शनिवार को उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में नाम नरेन्द्र कटिया होना सामने आया। जिसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है।

यातायात समस्या पर 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे—परिष्कृति के कलाकारों ने दिया सशक्त संदेश

उज्जैन। सामाजिक सरोकारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रेडियो दस्तक 90.8 स्नरूके संचालक संदीप कुलश्रेष्ठ के मार्गदर्शन में परिष्कृति सामाजिक संस्था के कलाकारों ने सुप्रसिद्ध रंगकर्मी एवं लेखक सतीश दवे द्वारा लिखित यातायात समस्या पर आधारित प्रभावशाली रेडियो नाटक पर उपदेश कुशल बहुतेरे की रिकॉर्डिंग संपन्न हुई।

इस नाटक में सुदर्शन स्वामी, अमित, नियति माथुर, रौनक शाक्य, यश माने, सतीश चोरड़िया एवं ऐशानी ने अपने सशक्त अभिनय के माध्यम से वर्तमान यातायात अव्यवस्था, नियमों की अनदेखी और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रश्नों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। अमित माथुर ने बताया कि नाटक की कथा एक सामान्य परिवार से शुरू होती है, जहाँ शाम छह बजे तक बेटा स्कंध घर नहीं लौटता और मां की चिंता बढ़ जाती है। जब स्कंध घायल अवस्था में घर लौटता है, तो कहानी गंभीर मोड़ लेती है। रॉन्ग साइड से वाहन चलाना, तेज रफ्तार बाइक पर तीन सवारी, ई-रिक्शा की अव्यवस्था जैसी लापरवाहियां उजागर होती हैं। फुटपाथ पर अतिक्रमण, सड़क पर पार्किंग, जाम, जुलूसों में डीजे का शोर और हेलमेट-सीट बेल्ट की अनदेखी जैसे मुद्दों को सरल लेकिन प्रभावी संवादों के माध्यम से प्रस्तुत करता है। नाटक का मूल संदेश यही है कि हम अक्सर दूसरों को नियमों का पालन करने की सीख देते हैं, परंतु स्वयं नियमों का पालन करने में पीछे रह जाते हैं। रेडियो नाटक ने श्रोताओं को यह सोचने पर विवश किया कि सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। कलाकारों की संवाद-अभिव्यक्ति और प्रस्तुति ने विषय को जीवंत और संवेदनशील बना दिया। इस अवसर पर कलाकारों ने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए ऐसे जागरूकता के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

महाराष्ट्र सांस्कृतिक मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित

उज्जैन। महानंदा नगर एवं परिसर, उज्जैन के महाराष्ट्र सांस्कृतिक मंडल द्वारा दासनवमी के उपलक्ष्य में उत्सव और वार्षिक साधारण सभा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के सदस्यों द्वारा दासबोध ग्रंथ के विधिवत पूजन और अध्यायों के वाचन से हुआ, जिसमें श्रीमती व्यास, श्रीमती उमरेकर, अर्चना हरणे, माधवी चंपक एवं ज्योति मेंदालकर आदि ने भाग लिया। इसके पश्चात महाआरती संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन सदाशिव नायगांवकर ने किया, जिन्होंने बताया कि संस्था विगत 29 वर्षों से निरंतर सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। सभा में शिक्षा के क्षेत्र में पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने पर राजश्री राजेंद्र जोशी एवं डॉ. संगीता मनोज कार्लेकर का तथा समाज कार्य में सहयोग के लिए कुलश्रेष्ठ भारतीय ज्ञानपीठ स्कूल एवं उपाध्याय गौशाला परिसर का संस्था द्वारा सम्मान किया गया। कोषाध्यक्ष द्वारा वार्षिक लेखा-प्रतिवेदन का वाचन भी किया गया। हिंदू नववर्ष 'गुड़ी पड़वा' के अवसर पर लोगों को एकत्रित करने के उद्देश्य से आगामी 19 मार्च 2026 को भव्य 'शौर्य यात्रा' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी से बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया गया। वर्तमान कार्यकारिणी का तीन वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर आगामी सत्र के लिए नवीन कार्यकारिणी के गठन हेतु प्रस्तावित नामों का वाचन किया गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। नवीन कार्यकारिणी में राघवेंद्र व्यास को संरक्षक, दीपक तारे को अध्यक्ष, राजश्री जोशी (महानंदा नगर) को उपाध्यक्ष, दीपक मेंदालकर को सचिव, मिलिंद लेले को सह-सचिव तथा आनंद चंपक को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रदीप जोशी, गौतम विपट, सदाशिव नायगांवकर, अनुकूल उमरेकर, वसंत देशपांडे, मयंक फंसळकर, प्रकाश रांगणेकर, हेमंत यवलेकर, प्रवीण बाहुलकर, शरद कुलकर्णी तथा महिला सदस्य के रूप में अर्चना हरणे, माधवी चंपक, ज्योति मेंदालकर और विनया लेले को सम्मिलित किया गया। कार्यक्रम के अंत में नवनिर्वाचित सचिव दीपक मेंदालकर द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

स्नान और पूजन | मौसम के अनुरूप रोज होने वाली आरतियों के समय में भी बदलाव होगा

होली बाद 4 मार्च से बदल जाएगी भगवान महाकाल दिनचर्या, गर्मी में ठंडे जल से स्नान

नवभारत न्यूज

उज्जैन। होली पर्व के बाद 4 मार्च से ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल की दिनचर्या में बदलाव हो जाएगा। दरअसल होली के बाद चैत्र मास की लगते ही गर्मी की शुरुआत हो जाती है। इस दौरान पुजारी भस्मारती में भगवान महाकाल को ठंडे जल से स्नान कराएंगे।

गर्मी में भगवान की रोज होने वाली सुबह व शाम की आरतियों का समय भी बदल जाएगा। महाकाल मंदिर के पुजारी प्रदीप गुरु ने बताया कि साल में दो बार मौसम के अनुरूप भगवान महाकाल की दिनचर्या में परंपरा अनुसार बदलाव होता है। ठंडे के दिनों में भगवान को पुजारीगण भस्मारती में गर्म जल से स्नान कराते हैं तो गर्मी के दिनों में ठंडे जल से। इसी प्रकार ठंड व गर्मी में मौसम के अनुरूप कुछ आरतियां जल्दी तो कुछ देरी से की जाती है। होली पर्व के अगले दिन से ही चैत्र मास शुरू होगा। चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से भगवान की दिनचर्या में बदलाव होगा। बाबा सुबह भस्मारती में ठंडे जल से स्नान करेंगे तो आरतियां भी अलग समय पर की जाएगी। यह क्रम फिर निरंतर दीपावली पर्व तक चलेगा।

24 से लगेगा होलाष्टक, शुभ व मांगलिक कार्य नहीं किए जा सकेंगे

24 फरवरी से होलाष्टक लग रहा है। इस दौरान शुभ व खासकर मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। होलाष्टक होली पर्व के आठ दिन पहले की अवधि को कहा जाता है। इस समय शुभ कार्य के लिए सही से मुहूर्त नहीं निकलते हैं। धर्म-शास्त्र में भी होलाष्टक की अवधि को शुभ नहीं बताया गया है। हालांकि होलाष्टक में मांगलिक कार्य करने नहीं करने को लेकर भारतवर्ष के अनेक राज्यों में अलग-अलग मत सामने आते हैं। लेकिन मालवांचल में इसकी मान्यता अधिक है। लोग इस अवधि में विवाह आदि कोई भी शुभ कार्य करने से बचते हैं। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डब्बावाला ने कहा कि होलाष्टक होली से आठ दिन पहले शुरू होता है। इस बार यह 24 फरवरी को लग रहा है। जिसका समापन होली की पूर्णिमा पर होता है। इस अवधि में शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं। इसलिए लोग होलाष्टक लगने के बाद इसके समाप्त होने पर ही मुहूर्त देखकर शुभ कार्य की शुरुआत करते हैं। लेकिन फिर भी शादी और मांगलिक कार्य अभी भी जारी हैं।